

कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली द्वारा विश्व मत्स्य दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली तथा मत्स्य विभाग, बरेली ने संयुक्त रूप से आज दिनांक 21 नवम्बर, 2020 को "विश्व मत्स्य दिवस" का आयोजन किया। यह आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र के मत्स्य आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली प्रक्षेत्र पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद के मुख्य विकास अधिकारी श्री चन्द्र मोहन गर्ग ने अपने सम्बोधन में सभी मत्स्य पालकों को मत्स्य दिवस की शुभकामनायें देते हुए उन्हें और बेहतर कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) डॉ. महेश चन्दर ने मत्स्य पालन की एकीकृत प्रणालियों को अपनाकर आय बढ़ाने के साथ-साथ उत्पाद के बेहतर विक्रय के लिए मत्स्य उत्पाद बनाने, अच्छी पैकिंग करने की सलाह दी। डॉ. राज करन सिंह, अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र ने कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से कार्य करने के साथ कृषक उत्पादक संघ बनाकर बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिये मत्स्य पालकों को प्रेरित किया। उपनिदेशक मत्स्य श्रीमती सृष्टि यादव ने प्रधानमंत्री मत्स्य विकास योजना सहित विभाग की सभी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुये मत्स्य पालकों से इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आहवाहन किया। श्री धर्मेन्द्र मिश्रा, डी.डी.एम., नाबार्ड ने बताया कि मत्स्य पालकों के लिये बैंक के माध्यम से ऋण सम्बन्धी सुविधाये नियमित रूप से प्रदान की जा रही हैं इनमें जो समस्यायें आ रही है उनमें सुधार के लिये नाबार्ड निरन्तर प्रयासरत है। कार्यक्रम में पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. सुमन ताल्लुकदार ने संस्थान द्वारा विकसित मत्स्य उत्पादों की विस्तार से जानकारी दी तथा मत्स्य पालकों को इन्हें अपनाकर अपनी आय बढ़ाने के लिये प्रेरित किया। पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग ने संस्थान द्वारा विकसित मत्स्य उत्पादों का प्रदर्शन किया साथ ही अन्य संस्थाओं ने भी मत्स्य आहार, मत्स्य औषधि, तथा सचल मत्स्य उत्पाद विक्रय केन्द्र आदि ने भी अपने स्टाल लगाए। कार्यक्रम के आरम्भ में माननीय मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी स्टालों का भ्रमण, मत्स्य आखेट का निरीक्षण, तालाब में मत्स्य बीज का विमोचन किया तथा प्रत्येक जनपद के दो-दो प्रगतिशील मत्स्य पालकों को शाल तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बरेली मण्डल के सभी जनपदों के 100 से अधिक मत्स्य पालकों ने सहभागिता की।

